समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 25 August 2026

पीएम मोदी के जन्मदिन पर बन सकता है ब्लड डोनेशन का वर्ल्ड रिकॉर्ड, एक दिन मे 3 लाख यूनिट रक्त एकत्र

Publisher

Published on 17 Sep 2025

प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** के जन्मदिन के अवसर पर देश और दुनिया में **ब्लड डोनेशन का वर्ल्ड रिकॉर्ड** बनाने की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद की ओर से **एक दिन मे तीन लाख यूनिट रक्त** जुटाने का लक्ष्य रखा गया है।

वर्ल्ड रिकॉर्ड की तैयारी

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद ने **राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रक्तदान शिविर** आयोजित किए हैं। इस अभियान में **भारत समेत 70 देशों** के लोग हिस्सा ले रहे हैं।

दिल्ली के **अणुव्रत भवन** में आयोजित मुख्य रक्तदान शिविर में केंद्रीय मंत्री **अश्विनी वैष्णव** ने स्वयं रक्तदान किया। स्वास्थ्य मंत्री **मनसुख मांडविया** ने भी शिविर का दौरा किया और युवाओं को **रक्तदान के महत्व** के प्रति जागरूक किया।

रक्तदान अभियान का उद्देश्य

इस विशेष अभियान का उद्देश्य केवल **वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना** नहीं है, बल्कि **जनता मे रंक्तदान की आदत और महत्व** को भी बढ़ावा देना है।

विशेषज्ञों का कहना है कि नियमित रक्तदान से **स्वास्थ्य सुधार, जीवन रक्षा और समाज मे संहयोग की भावना** मजबूत होती है।

अमृत महोत्सव के तहत आयोजन

यह रक्तदान अभियान **अमृत महोत्सव** के तहत आयोजित किया जा रहा है। महोत्सव के दौरान कई **शिविर, जागरूकता रैलियां और मीडिया प्रचार** के माध्यम से लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

दिल्ली और अन्य राज्यों में शिविरों के आयोजन से पहले **सुरक्षा और स्वास्थ्य मानकों** का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। प्रत्येक रक्तदान केंद्र पर **प्रोफेशनल स्टाफ और स्वास्थ्य विशेषज्ञ** उपस्थित हैं।

केंद्रीय मंत्रियों की भागीदारी

केंद्रीय मंत्री **अश्विनी वैष्णव** ने इस अवसर पर कहा कि:
“[illegible]”

स्वास्थ्य मंत्री **मनसुख मांडविया** ने भी युवाओं को प्रेरित किया और कहा कि **रक्तदान केवल एक शारीरिक योगदान नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक है।**

देश और दुनिया मे रंक्तदान

भारत के विभिन्न राज्यों में **सैकड़ों शिविर आयोजित किए जा रहे है**, ंजबकि **70 देशों मे भी यह अभियान समन्वित रूप से चल रहा है।**

विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय प्रयास से **रक्त की उपलब्धता और स्वास्थ्य सुरक्षा** में सुधार होगा।

सोशल मीडिया और जनजागरूकता

सोशल मीडिया पर इस अभियान की तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। लोग अपने **ब्लड डोनेशन की तस्वीरे ंसाझा कर रहे है** ंऔर दूसरों को भी प्रेरित कर रहे हैं।

इस अभियान के जरिए युवाओं में **रक्तदान को सामाजिक जिम्मेदारी** के रूप में अपनाने की भावना बढ़ रही है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ की राय

विशेषज्ञों का मानना है कि **एक दिन मे तंीन लाख यूनिट रक्त एकत्र करना** वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए चुनौतीपूर्ण है, लेकिन यह **जन जागरूकता और स्वास्थ्य सुरक्षा** के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है।

रक्तदान से न केवल **रक्त की कमी को पूरा** किया जा सकता है, बल्कि इससे **रक्तदाता का स्वास्थ्य भी मजबूत** रहता है।

भविष्य की संभावनाएँ

इस ब्लड डोनेशन अभियान के सफल आयोजन के बाद:

- देश और दुनिया में **रक्तदान की संस्कृति** और मजबूत होगी।
- **स्वास्थ्य सेवाओं और अस्पतालों मे रंक्त की आपूर्ति** बेहतर होगी।
- युवाओं में **सामाजिक जिम्मेदारी और सहयोग की भावना** को बल मिलेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर आयोजित यह ब्लड डोनेशन अभियान न केवल **वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास** है, बल्कि **समाज मे रंक्तदान की आदत और जागरूकता बढ़ाने** का भी एक प्रेरक उदाहरण है।

केंद्रीय मंत्रियों की भागीदारी, अमृत महोत्सव के तहत समन्वित आयोजन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग इस अभियान को और महत्वपूर्ण बना रहे हैं।

रक्तदान से लाखों लोगों की **जिंदगी बचाई जा सकती है**, और इस अभियान का उद्देश्य यही संदेश फैलाना है कि **हर व्यक्ति अपने योगदान से समाज मे बंदलाव ला सकता है।**

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.